भजन

तर्ज .....ना झटकों, जुल्फ से पानी
पिया जी दिल से रूहों पर मेहर सागर लुटाते हैं।
सलोने धाम के दुल्हा, सलोनी बातें करते हैं

1 निगाहें इश्क से प्रीतम नजर भर भर के जब देखें
तो आशिक इन अदाओं में, गरक होते ही जाते है।
पिया जी दिल....

2 महकती और महकाती ये अमरद जुल्फे प्रीतम की
नूर मुख पे नूर वाले, ये कारे केश जचते है
पिया जी दिल.....

3 छवि महबूब मन मोहिनी, ईशारें भी हैं मन भावन
फिदा हो – हो के दिल रूहों, के वारी वारी जाती हैं।
पिया जी दिल.....